

आओ आपा मिलकर चाला जठे चुरू धाम जी बाबोसा भजन



आओ आपा मिलकर चाला,
जठे चुरू धाम जी,
जठे अटकियोडा बण जासी,
थारा सगळा काम जी,
लागी लागी रे लगन,
बाबोसा रे नाम री,
दुनिया हुई है दीवानी,
ईण चुरू धाम री।bd।

तर्ज - मेहंदी राचन लागी हाथा में।

मूरत सुहानी थारी,
प्यारो प्यारो मुखडो,
चम चम चमके जंग्या,
चाँद रो टुकडो,
बरसे नैना सु अमीरस,
देखो अविराम जी,
दुनिया हुई है दीवानी,
ईण चुरू धाम री।bd।

बाबोसा ने देख भगता,
होया है निहाल जी,
जादू सो कर गयो,
माँ छगनी रो लाल जी,
संकट सारा ही हर लेवे,
बाबोसा रो नाम जी,
दुनिया हुई है दीवानी,
ईण चुरू धाम री।bd।

चुरू में बणियो थारो,
धाम ओ न्यारो,
केवे मंजू बाईसा ओ,
लागे घणो प्यारो,
'दिलबर' केवे भक्ता चालो,
चाला चुरू धाम जी,
वठे अटकियोडा बण जासी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपकी मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



लागी लागी रे लगन,
बाबोसा रे नाम री,
दुनिया हुई है दीवानी,
ईण चुरू धाम री।bd।

आओ आपा मिलकर चाला,
जटे चुरू धाम जी,
जटे अटकियोडा बण जासी,
थारा सगळा काम जी,
लागी लागी रे लगन,
बाबोसा रे नाम री,
दुनिया हुई है दीवानी,
ईण चुरू धाम री।bd।

लेखक / प्रेषक – दिलीप सिंह सिसोदिया दिलबर।
9907023365
